



मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग, भोपाल

अपील

गर्मी के मौसम में गर्मी के बचाव के लिए बिजली की आवश्यकता से सभी परिचित हैं। लेकिन बिजली के सही उपकरणों का सही तरीके से उपयोग कर इन दिनों बिजली की मांग को कम कर अपने बिजली के बिलों में कटौती कर सकते हैं। आयोग ने इस दिशा में प्रदेश की बिजली कंपनियों को निर्देशित किया है कि वे अपने मुख्यालयों पर ऊर्जा दक्षता वाले उपकरण की स्थापना सुनिश्चित करें। आयोग द्वारा उपभोक्ताओं के हित में एवं उनकी समान्य जानकारी हेतु निम्न उपाय दर्शाये गये हैं, जिससे उपभोक्ता न सिर्फ अपने बिजली के बिल में कटौती कर सकते हैं, व प्रदेश में बिजली की मांग पर अंकुश लगाने में भागीदार भी बन सकते हैं।

क्या करें	क्या न करें
लाईटिंग व पंखे <ul style="list-style-type: none">जहाँ तक संभव हो, कार्य-केन्द्रित लाईटिंग का उपयोग करें। पढ़ाई के लिए रीडिंग लैम्प लगायें जो आपको केन्द्रित रोशनी देगा न कि सारे कमरे को उज्ज्वलित करेगा।ऊर्जा दक्ष ट्यूब या कंपैक्ट फ्लोरोसेंट लैंप (CFL) का प्रयोग करें इस से 70% तक बिजली बच सकती है। साधारण बल्ब के मुकाबले CFL आठ गुना ज्यादा प्रकाश देती है। एक 15 वॉट की CFL 60 वॉट के साधारण बल्ब के बराबर प्रकाश देता है।साधारण चोक के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक चोक का प्रयोग करें।बल्ब व ट्यूब राड पर जमी धूल को समय-समय पर साफ करें। बल्ब/ट्यूब पर जमी धूल प्रकाश की तीव्रता को कम करती है।जहाँ तक संभव हो सूर्यप्रकाश का उपयोग करें एवं कमरे की दीवारों पर हल्के रंगों का इस्तेमाल करें।जिन कमरों में पंखे लगातार चलते हैं, वहाँ इनर्जी स्मार्ट पंखों का उपयोग करें। पंखों के लिये इलेक्ट्रॉनिक रेग्युलेटर का उपयोग करें।	<ul style="list-style-type: none">बिजली की आवश्यकता न होने पर भी उपकरण चालू रखना।साधारण फिलामेंट वाले बल्बों का उपयोग विशेषकर लॉबी/पैसेज/टायलेट आदि स्थानों पर। ध्यान रखें कि साधारण फिलामेंट वाले बल्बों में 90% ऊर्जा ताप के रूप में बर्बाद होती है, केवल 10% ही रोशनी में खर्च होती है।पंखे में पुराने रेग्युलेटरों का प्रयोग।बिना गुणवत्ता के आई एस आई मार्क रहित उपकरणों का प्रयोग।कमरे से बाहर जाते समय लाईट व पंखें हमेशा चालू रखना।
रेफ्रिजरेटर <ul style="list-style-type: none">फ्रिज की मोटर व कंप्रेसर गर्मी पैदा करते हैं, इसलिए हवा के निरंतर बहाव का साधन रखें। फ्रिज दीवार के बीच की न्यूनतम दूरी 30 से.मी. होनी चाहिए।फ्रिज का द्वार खोलने से पहले निकालने वाली वस्तुएँ याद कर लें, इससे द्वार कम समय के लिए खोला जायेगा।समय-समय पर फ्रिज का लीकेज चेक करें, तथा यह चेक करें कि फ्रिज के द्वार की रबर सील साफ व कसी हुई है। यदि एक कागज का पन्ना, द्वार सील तथा फ्रिज की बॉडी के बीच रखा जाये और कागज खींचने पर नहीं निकलें तो सील सही है और निकल जाये तो सील को तुरंत बदल दें।फ्रिज के थर्मोस्टेट को न्यूनतम सेटिंग पर रखें। ब्यूरो ऑफ इनर्जी इफिशियंसी द्वारा लेबल की गई स्टार रेटिंग के रेफ्रिजरेटर का उपयोग करें।	<ul style="list-style-type: none">फ्रिज दीवार से सटा कर रखना।फ्रिज कंडेंसर कॉइल पर धूल जमने देना। ध्यान रखें कि धूल के कारण मोटर की कार्यक्षमता कम हो जाती है और अधिक बिजली लगती है।फ्रिजर को नियमित रूप से डिफ्रास्ट न करना। ध्यान रखें कि मेन्यूअल डिफ्रास्ट फ्रिज में फ्रिजर में जमी बर्फ कॉइल को इंसूलेट कर उसकी टंडक करने की शक्ति कम करती है, और बिजली की खपत बढ़ाती है।फ्रिज में सीधे गर्म सामग्री, गर्म भोजन रखना तथा ऊर्जा बर्बाद करना।फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलना।
एयर कंडीशनर <ul style="list-style-type: none">जहाँ तक संभव हो, गर्मी से बचने के लिए छत के पंखे या टेबल पंखे या कूलर का प्रयोग करें क्योंकि पंखे के उपयोग से प्रति घंटा 30 पैसे की खपत होती है, कूलर से प्रति घंटे 3 रु. की खपत होती है जबकि एयर कंडीशनर के उपयोग से प्रति घंटा 10 रु. की खपत होती है।एक उच्च गुणवत्ता वाला एयर कंडीशनर आपके कमरे को 30 मिनट में टंडा कर देता है। कृपया टाईमर का प्रयोग करें तथा कुछ समय के लिए एयर कंडीशनर को बंद रखें।यदि एयर कंडीशनर बहुत पुराना हो गया है और उसमें बार-बार सुधार की जरूरत है तो रिपेयर कराने से बेहतर है, कि नया एयर कंडीशनर खरीद लें। ब्यूरो ऑफ इनर्जी इफिशियंसी द्वारा लेबल की गई स्टार रेटिंग के एयर कंडीशनर का उपयोग करें।	<ul style="list-style-type: none">एयरकंडीशनर का तापमान सेटिंग 27^o C से कम रखना। ध्यान रखें कि प्रति डिग्री 3 से 5 प्रतिशत तक बिजली बचाई जा सकती है।जिस कमरे में एयर कंडीशनर का प्रयोग किया जा रहा है, उसके दरवाजे एवं खिड़कियां खुले रखना।एयर कंडीशनर के फिल्टर को कभी साफ न रखना।

